2nd Term Worksheet [2018 – 19]

Subject – Hindi

Class – VIII

Name : Sec. :

[Hindi Language]

पाठ – 9
(विशेषण)

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** (पृष्ठ सं0 46)

क. विशेषण किसे कहते है? उसके कितने भेद होते हैं?

उ0 ....

....

....

....

....

....

ख. विशेषण के सभी भेदों की परिभाषा उदाहरण सहित लिखो।

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

ग. विशेषणों की तुलना कितने प्रकार से की जाती है? उदाहरण सहित समझाओ।

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

2. **निम्नलिखित विशेषणों की उत्तरावस्था और उत्तमावस्था लिखो–** (पृष्ठ सं0 47)

शब्द	उत्तरावस्था	उत्तमावस्था
कुटिल	....	....
सूक्ष्म	....	....
लघु	....	....

तीव्र ....

निकृष्ट ....

3. निम्नलिखित शब्दों के विशेषण बनाओ– **(पृष्ठ सं0 47)**

शब्द	**विशेषण**
क. वर्ष	....
ख. बुद्धि	....
ग. हृदय	....
घ. देव	....
ङ. ग्राम	....

4. निम्नलिखित वाक्यों में विशेषण शब्दों को रेखांकित करो व उसके भेद लिखो– **(पृष्ठ सं0 47)**

क. अनीता सौम्य लड़की है। ....

ख. कल यहाँ कुछ लोग आए थे। ....

ग. दो किलो दूध ले जाओ। ....

घ. वह दयावान है। ....

ङ. उसकी कमीज़ का रंग पीला हैं ....

5. दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प पर सही चिह्न (√) लगाइए– **(पृष्ठ सं0 47)**

क. 'इतिहास' शब्द का विशेषण होगा–

1. इतिहासिक ☐ 2. ऐतिहासिक ☐ 3. इतिहासी ☐

ख. जब विशेषण की किसी से तुलना नहीं होती है तब–

1. उत्तरावस्था ☐ 2. मूलावस्था ☐ 3. उत्तमावस्था ☐

ग. 'उच्चतर' शब्द विशेषण की अवस्था है–

1. मूलावस्था ☐ 2. उत्तरावस्था ☐ 3. उत्तमावस्था ☐

पाठ – 10
(क्रिया)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **(पृष्ठ सं0 51)**

क. क्रिया की परिभाषा उदाहरण सहित लिखो।

उ0 ....

....

....

....

....

....

ख. रचना अथवा कर्म के आधार पर क्रिया के कितने भेद होते हैं?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

ग. सकर्मक क्रिया किसे कहते है? उदाहरण सहित समझाओ।

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

घ. पूर्वकालिक क्रिया से क्या तात्पर्य है? उदाहरण देकर समझाओ।

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

2. सही क्रिया भेद पर ( ) का चिह्न लगाओ– **(पृष्ठ सं0 51)**

क.	नहाकर	–	पूर्वकालिक	प्रेरर्णाथक
ख.	भिजवाना	–	संयुक्त	प्रेरर्णाथक
ग.	अपनाना	–	नामधातु क्रिया	पूर्वकालिक
घ.	नाचती है	–	अकर्मक	सकर्मक
ङ.	पढ़वाना	–	प्रेरणार्थक	नामधातु

3. वाक्यों में से क्रिया–शब्द छाँटकर लिखो– **(पृष्ठ सं0 51)**

क. शंकर किताब पढ़ रहा है।

....

ख. मोर नाचता है।

....

ग. चिड़िया चहचहाती हैं।

....

घ. बालक पढ़कर सो गया।

....

ङ. वाल्मीकि ने रामायण लिखी।

....

4. दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प पर सही चिह्न (√) लगाइए– **(पृष्ठ सं0 51)**

क. क्रिया के मूल शब्द को कहते हैं–

1. रचना ☐ 2. धातु ☐ 3. शब्द ☐

ख. 'लज्जा' शब्द को नामधातु क्रिया में बदलने पर रूप होगा–

1. लजाना ☐ 2. लज्जाना ☐ 3. लजवाना ☐

ग. मुख्य क्रिया से पहले होने वाली क्रिया कहलाती है—

1. संयुक्त ☐ 2. पूर्वकालिक ☐ 3. प्रेरणार्थक ☐

घ. वाक्य में दो या दो से अधिक धातुओं के मेल से बनी क्रिया कहलाती है—

1. संयुक्त ☐ 2. नामधातु ☐ 3. सकर्मक ☐

विपरीतार्थक शब्द

ऊर्ध्व	....	ऋजु	....
उदय	....	उच्च	....
उत्कर्ष	....	उपकार	....
आध्यात्मिक	....	आय	....
उपजाऊ	....	उपयुक्त	....
उपस्थित	....	उचित	....
ऋजु	....	तटस्थ	....
ऐच्छिक	....	ऐतिहासिक	....
कृत्रिम	....	क्रोध	....
कपूत	....	कर्कश	....
कामयाब	....	कीर्ति	....
कृतज्ञ	....	क्रम	....
कृपण	....	क्रय	....
क्षम्य	....	खंडन	....
खूबसूरत	....	गणतंत्र	....
गमन	....	गरम	....
उत्तर	....	उदार	....
उष्ण	....	उत्कृष्ट	....
उदायचल	....	उन्नति	....
गुरुता	....	ग्राह्य	....
गृहस्थ	....	गरिमा	....
घृणा	....	चल	....
चेतन	....	छल	....
निर्गुण	....	निर्यात	....

पर्यायवाची शब्द

दीपावली ....

दुख ....

दुबला ....

देवता ....

दुर्गा ....

नदी ....

निर्मल ....

नमस्कार ....

नरक ....

नौका ....

पति ....

पत्थर ....

पत्नी ....

पर्वत ....

पवन ....

पवित्र ....

पक्षी ....

पुत्री ....

पुष्प ....

पृथ्वी ....

बेटा ....

बिजली ....

भौंरा ....

मनुष्य ....

मदिरा ....

महादेव ....

मेघ ....

मछली ....

मयूर ....

मित्र ....

माता ....

मिथ्या ....

मृत्यु ....

मुख ....

मुसीबत ....

मुनि ....

मुखिया ....

युवती ....

यश ....

रोष ....

अनेकार्थी शब्द

घन ....

चपला ....

चाल ....

जड़ ....

जीवन ....

जोड़ ....

जोड़ना ....

टीका ....

ठाकुर ....

डूबना ....

तरंग ....

तप ....

तात ....

तारा ....

तीर ....

दाम ....

दोष ....

द्विज ....

दर्शन ....

नाग ....

निशान ....

नकली ....

नक्शा ....

नग ....

पट ....

पता ....

पय ....

परचा ....

पक्ष ....

प्रसाद ....

पानी ....

भूत ....

मृत्यु ....

मित्र ....

मत ....

मधु ....

मोड़ना ....

मोहर ....

मंत्र ....

युक्त ....

रस ....

अपठित गद्यांश

26 जनवरी, 2001 को जब पूरा देश गणतंत्र दिवस मना रहा था, तभी प्रकृति ने गुजरात समेत पूरे देश को हिलाकर रख दिया। कच्छ और भुज के इलाके में ऐसा भीषण भूकंप उठा कि मानव के बनाए घर नगर और बाज़ार सभी ढह गए। कितने ही गाँवों का नामोनिशान न रहा। लगभग 30,000 लोग मारे गए। प्राकृतिक आपदा से बचाव के लिए प्रबंध के ठोस उपाय होने चाहिए।

ऐसा दल बनाया जाए जो तुरंत घटनास्थल पर पहुँचकर स्थिति को सँभाल ले और लोगों की सहायता करे।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर में सही विकल्प का चयन करो– **(पृष्ट सं0 128)**

क. 26 जनवरी, 2001 को भूकंप कहाँ आया था?

1. गुजरात में
2. भारत में
3. गुजरात के कच्छ और भुज के इलाके में
4. इनमें से कहीं नहीं

ख. 'प्राकृतिक' शब्द में प्रत्यय लगा है–

1. तिक 2. इक

3. क 4. ईक

ग. इस भूकंप में लगभग कितने लोग मारे गए?

1. लगभग तीन हज़ार 2. लगभग तीस हज़ार

3. लगभग तीन लाख 4. लगभग तीन सौ

घ. प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिउ क्या प्रयास करना चाहिए?

1. एक ऐसा दल बनाना चाहिए जो घटनास्थल पर जाकर लोगों की सहायता कर सके।

2. घटना होते देखकर वहाँ से तुरंत भाग जाना चाहिए।

3. अपने–अपने घरों में घुस जाना चाहिए।

4. उपर्युक्तमें से कोई नहीं

ङ. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक क्या होगा?

1. 'आपदा' 2. 'भूकंप'

3. 'प्राकृतिक आपदा–भूकंप' 4. 'प्रकृति और मनुष्य'

<u>अनुच्छेद लेखन</u>

वाणी एक अनमोल वरदान

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

निबन्ध

समय का सदुपयोग

<u>पत्र</u>

शुल्क मुक्ति हेतु प्रधानाचार्य को पत्र।

<u>पत्र</u>

नव वर्ष पर शुभकामना पत्र।

<u>चित्रलेखन/कहानी</u>

बिना विचारे जो करे.........

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

वाक्यांश के लिए एक शब्द

1. दोपहर के बाद का समय ....
2. जो मापा न जा सके ....
3. जिसकी पहले से कोई आशा न हो ....
4. आत्मा और ईश्वर से संबंध रखने वाला ....
5. जो किसी वंश में बराबर चलता आया है ....
6. आभार मानने वाला ....
7. जो आलोचना के योग्य हो ....
8. इतिहास का जानकार ....
9. जिससे बढ़कर ऊँचा न हो ....
10. जो भूमि उपजाऊ हो ....
11. सूर्योदय से पहले का समय ....
12. ऊपर की ओर जाननेवाला ....
13. जो अपनी इच्छा पर निर्भर हो ....
14. जो कहा गया हो ....
15. जो किये जाने या करने योग्य हो ....
16. स्त्री जो कविता रचती हो ....
17. जिसने कोई कसूर किया हो ....
18. किए हुए उपकार को मानने वाला ....
19. किए हुए उपकार को न मानने वाला ....
20. क्षमा किए जाने योग्य ....
21. जो कुछ बोल न सके ....
22. जिसे दूसरे से छिपाकर रखना अनिवार्य हो ....
23. जिसके हाथ में चक्र है ....
24. जिसके सिर पर चंद्रमा है ....
25. चित्त को चुराने वाला ....

26. जो जन्म से अंधा हो ....

27. जिसने इंद्रियों पर विजय पा ली हो ....

28. तीन महीनों में होने वाला ....

29. गोद लिया पुत्र ....

30. जिस पर विजय पाना कठिन हो ....

31. द्रुत गति से जाने वाला ....

32. बिना पलक झपकाए ....

33. जो ईश्वर में विश्वास रखता हो ....

34. जो ईश्वर में विश्वास न रखता हो ....

35. जिसके मन में दया का अभाव हो ....

36. जो भिक्षा माँगता हो ....

पाठ– 11
(काल)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **(पृष्ठ सं0 54)**

क. काल किसे कहते हैं? उसके कितने भेद होते हैं? नाम लिखो।

उ0 ....

ख. काल के सभी भेदों की परिभाषा उदाहरण सहित लिखो।

उ0 ....

ग. भूतकाल के कितने भेद होते है? सभी के नाम उदाहरण सहित लिखो।

उ0 ....

2. दिए गए कोष्ठक में काल के अनुसार पुनः वाक्य रचना करो– **(पृष्ठ सं0 54–55)**

क. गीता गाना गाती है। (भविष्य काल)

....

ख. अंकिता दूध पी रही थी। (संदिग्ध भूतकाल)

....

ग. निधि स्नान कर रही है। (भूतकाल)

....

घ. माँ खाना बनाएगी। (वर्तमान काल)

....

ङ. कल वर्षा हो रही थी। (संदिग्ध भूतकाल)

....

3. निम्नलिखित वाक्यों में जो क्रिया भूतकाल की है, उसके आगे कोष्ठक में ( ) का चिह्न लगाओ–(पृष्ठ सं0 55)

क. तू आती तो मैं चलती।

ख. मैंने पत्र लिखा।

ग. गाय दूध देती है।

घ. उसने कहानी सुनी थी।

ङ. वह सेना में भरती हो गया।

3. दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प पर सही चिह्न (√) लगाइए– **(पृष्ठ सं0 55)**

क. 'जो समय बीत गया' उसे कहते हैं–

1. भूतकाल ☐ 2. वर्तमान काल ☐ 3. भविष्यत्काल ☐

ख. 'काल' शब्द से हमें ज्ञान होता है–

1. समय का ☐ 2. वचन का ☐ 3. पुरुष का ☐

ग. 'दशरथ अयोध्या के राजा थे।' वाक्य में काल है–

1. आसन्न भूतकाल ☐ 2. अपूर्ण वर्तमान काल ☐ 3. संदिग्ध भूतकाल ☐

घ. 'बच्चा रोता होगा' वाक्य में काल है–

1. सामान्य वर्तमान काल ☐ 2. अपूर्ण वर्तमान काल ☐ 3. संदिग्ध वर्तमान काल ☐

ङ. 'गीता स्कूल चली गई होगी।' वाक्य में काल है–

1. भूतकाल ☐ 2. अपूर्ण भूतकाल ☐ 3. संदिग्ध भूतकाल ☐

मुहावरे

1. आँख चुराना – ....

....

....

2. आसमान टूटना – ....

....

....

3. आस्तीन का साँप – ....

....

....

4. इज्ज़त उतरना – ....

....

....

5. इधर–उधर करना – ....

....

....

6. ईद का चाँद होना – ....

....

....

7. ईंट से ईंट बजाना – ....

....

....

8. उल्लू सीधा करना – ....

....

....

9. उलटी गंगा बहाना – ....

....

....

10. उड़न छू होना– ....

....

....

11. अन्न न लगना – ....

....

....

12. उँगली उठाना – ....

....

....

13. उगल देना – ....

....

....

14. ऊँट के मुँह में ज़ीरा – ....

....

....

15. एक पंथ दो काज – ....

....

....

16. ओखली में सिर देना – ....

....

....

17. काठ का उल्लू – ....

....

....

18. कान का कच्चा होना– ....

....

....

19. कटे पर नमक छिड़कना– ....

....

....

20. कमर कसना– ....

....

....

21. कलेजा ठंडा होना – ....

....

....

लाकोक्तियाँ

1. गेहूँ के साथ घुन भी पिसता है – ....

....

....

2. ईश्वर की माया कहीं धूप कहीं छाया– ....

....

....

3. इधर कुआँ उधर खाई– ....

....

....

4. उलटा चोर कोतवाल को डाँटे– ....

....

....

5. ऊँची दुकान फ़ीका पकवान– ....

....

....

6. एक तो करेला दूजे नीम चढ़ा– ....

....

....

7. एक अनार सौ बीमार– ....

....

....

8. एक हाथ से ताली नहीं बजती– ....

....

....

9. एक और एक ग्यारह – ....

....

....

10. ओखली में सिर दिया तो मूसलों से क्या डर– ....

....

....

11. कंगाली में आटा गीला– ....

....

....

12. काला अक्षर भैंस बराबर– ....

....

....

13. का बरखा जब कृषि सुखाने– ....

....

....

14. खोदा पहाड़ निकली चुहिया– ....

....

....

15. खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे– ....

....

....

अपठित पद्यांश

''पक्षियों में भी देखी है रीति और नीति बंधु
पशुओं में भी यहाँ पे संयम चरित्र है।
पादप जो जड़ हैं परोपकार वाले दिखे,
करती पिपाशा शांत नदियाँ पवित्र हैं।
पाहन वनस्पति और औषधि लुटाते सदा,
कीट और पतंगो का निराला त्याग मित्र है।
गिद्ध भी न जीवित का मांस नोचते कदापि,
स्वार्थ नीति मानव की सबसे विचित्र है।''

उपर्यक्तपद्यांश का ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर में सही विकल्प का चयन करो– **(पृष्ठ सं0 134)**

क. पद्यांश में 'पवित्र' विशेषण किसके लिए आया है?

1. नदियों के लिए
2. तालाबों के लिए
3. कुँओं के लिए
4. झरनों के लिए

ख. सबसे विचित्र स्वार्थ नीति किसकी है?

1. वनस्पतियों की
2. पशुओं की
3. मनुष्यों की
4. कीट–पतंगों की

ग. 'बंधु' शब्द का अर्थ है–

1. भाई
2. रिश्तेदार
3. पड़ोसी
4. मित्र

घ. 'जीवित' शब्दा का विलोम है–

1. जिंदा
2. मृत
3. जीव
4. जंतु

ङ. 'गिद्ध' है–

1. पशु
2. पक्षी
3. कीट
4. पतंगा

संवाद लेखन

रेलवे स्टेशन के काउंटर पर आवश्यक सूचना प्राप्त करना।

निबन्ध

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी

....

....

....

....

....

समोच्चारित भिन्नार्थक शब्द

1.	दुर	....	2.	दिन	....
	छुर	....		दीन	....
3.	दीप	....	4.	दिव	....
	दीप्ति	....		दिव्य	....
5.	दोष	....	6.	गृह	....
	दोषी	....		ग्रह	....
7	चिर	....	8	चर्म	....
	चीर	....		चरम	....
9.	जरा	....	10.	जलज	....
	ज़रा	....		जलद	....
11.	तरंग	....	12.	दिशा	....
	तुरंग	....		दशा	....
13.	नर्म	....	14	प्रणय	....
	नम्र	....		परिणय	....
15.	पर	....	16.	पाणि	....
	पार	....		पानी	....
17.	पाँव	....	18.	प्रवाह	....
	पाव	....		परवाह	....
19.	प्रथा	....	20.	दूत	....
	पृथा	....		द्यूत	....
21.	द्वित	....	22.	नीर	....
	द्वीप	....		नीम	....
23.	निधन	....	24.	नादान	....
	निर्धन	....		निदान	....
25.	निर्झर	....			
	निर्जर	....			

शब्दों के सही रूप

करम	....	कश्ट	....
किरतग्य	....	ककयी	....
गयान	....	गती	....
गती	....	गुरू	....
गृणा	....	नियाय	....
बिश्वास	....	बह	....
बिलंब	....	बस्तु	....
बरामन	....	भगत	....

भगती	....	भारतिय	....
मंतर	....	मगन	....
मनुस	....	महत्व	....
मिरत्यु	....	मूड़	....
मिश्रा जी	....	प्राधीन	....
परबंध	....	पवितर	....
प्रराताकाल	....	प्रिश्रम	....
पराकृत	....	पुस्तकाला	....
पिताभक्ति	....	पूजनीय	....
बलिक	....		

[Hindi Literature]

पाठ –11
(आखिर कितनी ज़मीन)

1. शब्दार्थ –: (पृष्ठ सं0 71)

शब्द		**अर्थ**	**शब्द**		**अर्थ**
सौदागर	–	....	स्वागत	–	....
अरज़ी	–	....	सत्कार	–	....
इस्तेमाल	–	....	प्रयोजन	–	....
मवेशी	–	....	मूर्खता	–	....
उत्सुकता	–	....	प्रतिक्षण	–	....

विषय–वस्तु का ज्ञान

1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए – (पृष्ठ सं071)

नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

''ज़मीन देखकर दीना की आँखे चमकने लगी। सरदार ने सिर की टोपी उतारकर ज़मीन पर रख दी और कहा– यह निशान, यहाँ से चलकर सूर्य डूबने से पहले तुम्हें यहीं वापस आना है।''

क. ज़मीन देखकर दीना की आँखें क्यों चमकने लगीं?

उ0 ....

....

....

....

....

....

ख. सरदार ने सिर की टोपी उतारकर ज़मीन पर क्यों रख दी?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

ग. दीना को ज़मीन क्यों चाहिए थी?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

घ. सरदार और दीना के बीच कितने रुपयों पर लेन–देन तय हुआ था?

उ0 ....

....

....

....

....

....

<u>प्रत्यास्मरण</u>

1. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– **(पृष्ठ सं071)**

क. छोटी बहन को बड़ी बहन की बातें क्यों नहीं अच्छी लगीं?

उ0 ....

....

....

....

....

ख. दीना के पड़ोसी उससे क्यों ईर्ष्या करने लगे?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

ग. दीना कोल सरदार के लिए क्या–क्या उपहार ले गया?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

घ. कोल अपनी ज़मीन का उपयोग क्यों नहीं करते थे?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

ङ. दीना का साथी दौड़कर उसे उठाने क्यों आया?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

च. दीना को उसके लालच का क्या फल मिला?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

छ. इस काहनी से क्या शिक्षा मिलती है?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

2. आशय स्पष्ट कीजिए– **(पृष्ठ सं071)**

सरदार के मुँह से निकला – ''बस! आखिर कितनी ज़मीन''

....

....

....

....

....

....

....

पाठ – 15
(मंत्र)

1. **शब्दार्थ –:** (पृष्ठ सं0 40)

शब्द		अर्थ	शब्द		अर्थ
औषधालय	–	....	मलिन	–	....
दीनबंधु	–	....	कोहराम	–	....
निश्चल	–	....	क्रंदन	–	....
मर्मभेदी	–	....	अश्रु–प्रवाह	–	....
आर्तस्वर	–	....	प्रतिकार	–	....
प्रत्यक्ष प्रमाण	–	....	उपचेतना	–	....
शंका–निवारण	–	....	मुबारकबाद	–	....
कांति	–	....	जीवनपर्यंत	–	....

विषय–वस्तु का ज्ञान

1. **प्रश्नों के उत्तर लिखिए –** (पृष्ठ सं0101)

नीचे दिए गए पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

''सहसा भगत ने द्वार पर पहुँचकर आवाज़ दी। डॉक्टर साहब समझे, कोई मरीज़ आया होगा। किसी और दिन उन्होंने उस आदमी को दुत्कार दिया होगा मगर आज बाहर निकल आए।''

क. भगत कौन था?

उ0 ....

....

....

....

....

ख. डॉक्टर साहब ने क्या समझा?

उ0 ....

....

....

....

ग. आज डॉक्टर साहब क्यों बाहर निकल आए?

उ0 ....

....

....

....

....

घ. अर्थ लिखिए– दुत्कार

उ0 ....

....

....

....

....

प्रत्यास्मरण

1. **नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—** **(पृष्ठ सं0101)**

क. गरीब बूढ़ा व्यक्ति किसलिए अनुनय–विनय कर रहा था?

उ0 ....

....

....

....

....

ख. साँप देखने के लिए ज़िद करनेवाली मृणालिनी अपनी ज़िद पर क्यों पछताने लगी थी?

उ0 ....

....

....

....

....

ग. साँप ने कैलाश को क्यों काट लिया था?

उ0 ....

....

....

....

....

घ. बूढ़ा चाहकर भी झोपड़ी में क्यों न रह सका?

उ0 ....

....

....

....

....

....

ङ. इलाज करने बाद वह वहाँ से तुरंत गायब क्यों हो गया?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

च. डॉ० साहब ने बूढ़े की सज्जनता से क्या सीखा?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

2. **निम्नलिखित पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए—** **(पृष्ठ सं0101)**

क. ''सभ्य संसार इतना निर्मम, इतना कठोर है, इसका मर्मभेदी अनुभव अब तक न हुआ था।''

....

....

....

....

....

....

....

....

ख. ''मन में प्रतिकार था पर कर्म मन के अधीन न था।''

....

....

....

....

....

....

....

....

ग. ''भगवान बड़ा कारसाज़ है।''

....

....

....

....

....

....

....

....

पाठ –17
(समर्पण)

1. **शब्दार्थ –:** **(पृष्ठ सं0 48)**

शब्द		**अर्थ**	**शब्द**		**अर्थ**
समर्पित	–	....	क्षण	–	....
ऋण	–	....	ध्वज	–	....
अंकिचन	–	....	चमन	–	....
भाल	–	....	नीड़	–	....
स्वप्न	–	....	तृण–तृण	–	....

विषय–वस्तु का ज्ञान

नीचे दिए गए पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए– (पृष्ठ सं0108)

''माँज दो तलवार को, लाओ न देरी
बाँध दो कसकर कमर पर ढाल मेरी
भाल पर मल दो, चरण की धूल थोड़ी
शीश पर आशीष की छाया घनेरी''

क. कवि किसको जीवन समर्पित करना चाहता है?

उ0 ....

....

....

....

....

....

ख. तलवार और ढाल की कब आवश्यकता पड़ेगी?

उ0 ....

....

....

....

....

....

ग. किसके चरणों की धूल कवि मस्तक पर लगाना चाहता है?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

घ. दो–दो समानार्थी शब्द लिखिए– शीश, भाल, चरण, आशीष

उ0 ....

....

....

....

....

....

प्रत्यास्मरण

1. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– **(पृष्ठ सं0108)**

क. कवि मातृभूमि को क्या अर्पण करना चाहता है?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

ख. कवि माँ के समक्ष थाल में क्या सजाकर लाना चाहता है?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

ग. कवि मोह का बंधन क्यों तोड़ना चाहता है?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

घ. कवि अपने मस्तक पर मातृभूमि के आशीष की छाया क्यों रखना चाहता है?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

ङ. 'नीड़ का तृण–तृण समर्पित' का आशय स्पष्ट कीजिए।

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

च. कविता का प्रतिपाद्य लिखिए।

उ0 ....

....

....

2. **विस्तार से लिखिए कि सबकुछ देने के बाद भी कुछ और देने की कामना कवि के मन में क्यों है?**

उ0

3. **भाव स्पष्ट कीजिए—** **(पृष्ठ सं0109)**

क. तलवार को क्यों माँजना आवश्यक है?

ख. भाल पर चरण की धूल मलने के पीछे क्या भावना है?

....

....

....

....

....

....

....

....

ग. आशीष घनेरे हो, ऐसी कामना क्यों है? और ये घनेरे कैसे हैं?

....

....

....

....

....

....

....

....

घ. युद्ध में मोह साथ क्यों नहीं रह सकता?

....

....

....

....

....

....

....

....

ङ. ध्वज अपने साथ रखना क्यों आवश्यक मानते हैं?

....

....

....

....

....

....

....

....